# प्रार्थना - 2

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है ।
तेरी रंगभूमि यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है।
सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके ।
फिर नहर बनी नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है ।।
यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरूदेव की पूर्ण दया ।
तुकडया कहे और कोई न दिखे,
बस मैं और तू सब एक ही है।।

# प्रार्थना - 3

हम को मन की शक्ति देना, मन विजय करे ।
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करे ।।
भेदभाव अपने दिल से साफ़ कर सके ।
दोस्तों से भूल हो तो माफ कर सके ।।
झूठ से बचे रहें, सच का दम भरे ।
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करे ।।
मुश्किलें पड़े तो हम पे इतना कर्म कर ।
साथ दे तो धर्म का, चले तो धर्म पर ।।
खुद पे हौसला रहे, बदी से ना टले ।
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करे ।।

# प्रार्थना -4

हे प्रभु आनंददाता, ज्ञान हमको दीजिए ।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिए ।।

लीजिए हमको शरण में, हम सदाचारी बने ।
ब्रह्मचारी धर्मरक्षक वीरव्रतधारी बने ।।
हिंद में पैदा हुए हैं, हिंद की संतान है ।
हिंद की खातिर मरे हम, ज्ञान ऐसा दीजिए ।।

प्रेम से हम गुरूजनों की, नित्य ही सेवा करे ।
दिव्य जीवन हो हमारा, यश तेरा गाया करे ।।

# प्रार्थना - 5

हिंद देश के निवासी, सभी जन एक है ।
रंग रूप वेश भाषा, चाहे अनेक हैं ।।

बेला गुलाब जूही, चंपा चमेली ।
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे, माला में एक है ।।

कोयल की कूक न्यारी, पपीहे की टेर प्यारी ।
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है ।।

धर्म हैं अनेक जिनके, सार वही एक है ।
पंथ है निराले सबके, मंजिल भी एक है ।।

# रघुपति राघव राजा राम

रघुपति राघव राजा राम
पतित पावन सीता राम
सीता राम सीता राम
भज प्यारे तू सीता राम

रघुपति राघव राजा राम
ईश्वर अल्लाह तेरो नाम
सबको सन्मति दे भगवान
रघुपति राघव राजा राम

## तू ही राम है तू रहीम है

तू ही राम है तू रहीम है,
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरु, तू ईशू मसीह,
हर नाम में, तू समा रहा ।
तू ही राम है तू रहीम है, .....

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दर्श वेद पुराण में,
गुरु ग्रन्थ जी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा ।
तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरु, तू ईशू मसीह,
हर नाम में, तू समा रहा ।
अरदास है, कहीं कीर्तन,
कहीं राम धुन, कहीं आवाहन,
विधि वेद का है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा ।

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरू, तू ईशू मसीह
हर नाम में, तू समा रहा ।

सर्व धर्म प्रार्थना, यह जो अनेकता में
एकता पर विश्वास करता है ।

## सर्वधर्म प्रार्थना

ऊँ तत्सत श्री नारायण तू, पुरुषोत्तम गुरु तू
सिद्ध बुद्ध तू, स्कन्द विनायक, सविता पावक तू

ब्रह्म मज्ज तू, यहव शक्ति तू, ईशू पिता प्रभु तू
रूद्र विष्णु तू राम कृष्ण तू, रहीम ताओ तू

वासु देव गौ, विश्वरूप तू, चिदानंद हरि तू
अद्वितीय तू, अकाल निर्भय आत्मलिंग शिव तू